

- भवत् 1) (nom. masc. भवन्, part. praes. a r. भू s. भूत्) qui est. 2) (nom. भवान्, a भा splendor, correpto आ s. वत्, cf. भाविन्) splendens, excellens, praeclarus; reverentiae causâ ponitur pro pronom. 2^{dae} pers. cum ter-tiâ verbi personâ. IN. 1.11. SU. 1.24.
- भवन n. (r. भू s. भून्) domus, palatium. IN. 3.3.5.5. SU. 1.28.
- भवादृश्य (e भवत् abjecto त् producto अ, et दृश्य a r. दृश्य videre; v. gr. 287.) tibi vel vobis similis. HIT. 38. 10.
- भवानी f. (a भव nomen Sivi s. आनी) nomen Durgae.
- भवितव्य (r. भू s. तव्य) esse debens.
- भवितव्यता f. (a praec. s. ता) Abstractum praecedentis, fatum. UR. 55. 15. *infr.*
- भवितृ (fem. -त्री, r. भू s. तृ) futurus. RAGH. 6. 52. (Lat. *futurus.*)
- भविष्य (r. भू cum caractere Futuri auxil. स्य inserto इ) futurus. BH. 7. 26.
- भव्य (r. भू s. य, v. gr. 626.) esse debens, futurus. SA. 5. 47.
- भस् 3. P. बभस्मि (भर्त्सनदीप्त्योः क. द्युतौ भर्त्से र.) lucere, splendere; minari, terrere. (V. भास् et cf. भर्त्स.)
- भस्त्रा f. (r. भस् s. त्र in fem.) follis. HIT. 43. 6.
- भस्मन् n. (r. भस् s. मन्) cinis.
- भस्मसात् Adv. (a praec. s. सात्) in cinerem, ut भस्मसात् कर्तुम् in cinerem vertere. BH. 4. 37.
- भा 2. P. 4. 1) splendere, fulgere. N. 12. 103.: अयम् अगमः ... आपीडैर् ब्रह्मिर् भाति; 13. 52.: भासि विद्युद् इवा भेषु; 17. 8. 2) apparere, videri. H. 1. 10.: तद्घावातो बभौचा 'स्य शुचिशुक्रागमे यथा. (Cf. भास्, भस्, भाष्; gr. φάω, φαίνω, φημί; φοῖβος, forma anomale redupl. sicut φέβομαι a भी, बिभेमि; lat. *fā-ri.*)
- c. अति valde splendere. RAM. II. 46. 11.
- c. अभि splendere. GHAT. 10.
- c. आ 1) *id.* R. Schl. I. 15. 19. 2) videri, apparere. RAGH. 13. 14.
- c. उत् apparere. MAN. 1. 7.: स्वयम् उद्बभौ.
- c. निस् elucere, exoriri. MAN. 5. 113.: अपाम् अग्नेश्च संयोगाद् धेमं त्रूप्यश्च निर्बभौ.
- c. प्र *i. q. simpl.* MAH. 3. 10054. — प्रभात n. ortus lucis, diluculum. Loc. प्रभाते diluculo, ad primam auroram. SA. 5. 80.
- c. प्रति 1) splendere. GHAT. 15. 2) apparere, c. gen. R. Schl. I. 55. 17.: यानि देवेषुचा स्त्राणि ... प्रतिभान्तु मम; c. acc. MAH. 3. 10169.: तन् तु कृत्स्नी धनुर्वेदे प्रत्यभात्. 3) videri. DR. 4. 4. A. 4. 39.
- c. प्रति praef. सम् videri. MAH. 1. 8095.
- c. त्रि splendere. R. Schl. II. 72. 20. RAGH. 5. 72.
- c. सम् praef. प्र apparere, videri. MAH. 3. 10055.
- भाग m. (r. भज् vel भाज् s. अ) 1) pars, portio. RAGH. 5. 9. 7. 42. et 57. 10. 46. 2) bona fortuna, felicitas.
- भागधेय (e भाग et धेय ponendus a r. धा s. य) 1) m. heres. 2) n. fatum, sors. N. 8. 6.
- भागिरथी f. (fem. त्रुँ भागिरथ a भागिरथ nom. pr. regis, suff. अ) nomen Gangis fluminis.
- भाग्य n. (a भग vel भाग s. य) sors, fatum; fortuna secunda. N. 17. 42. RAGH. 3. 13. UR. 67. 18.
- भाङ्गासुरि m. nom. pr. regis. N. 19. 11.
1. भाज् 10. P. (पृथक्कर्मणि) dividere, distribuere. Cf. भज्.
2. भाज् f. (r. भज्) 1) veneratio, cultus. BH. 9. 30. *in fine comp. BAH.* 2) *i. q. भाग.* H. 1. 29. *in fine comp. BAH.* (Ad भाज् sgf. 2. vel ad भाग sgf. 2. traxerim lat. *fē vocis fē-lix*, v. gr. comp. 419.)
- भाजन n. (r. भज् s. अन्) vas. (Wils. «any vessel, as a pot, or cup, a plate».) HIT. 34. 2. RAGH. 5. 22.
- भाण्ड n. vas, supellex, utensilia. SA. 3. 1. HIT. 64. 19.
- भानु m. (r. भा s. नु) 1) lumen. 2) sol.
- भानुमत् (a praec. s. मत्) lucidus, splendidus. DR. 7. 2.
- भाम् 1. 4. 10. P. (क्रोधे; ut videtur, Denom. a sq.) irasci. भामित iratus (nisi hoc a भाम ira s. इत्). RIGV. 114. 8.
- भाम m. (r. भा s. म) 1) lumen, splendor. 2) sol. MED. 3) ira, furor. (Fortasse lat. *furo, furor* radice cum hoc